

इ. वि. का. राजवाडे संशोधन मंडळ धुळे.

—: इस्त खिनि ग्रंथ संग्रह :—

ग्रंथ क्रमांक

प १७४ (१५२)

ग्रंथ नाम

कवींचीं

पद.

विषय मराठी काव्य.

क्र. 1.99

५१६।५१५

मराठी

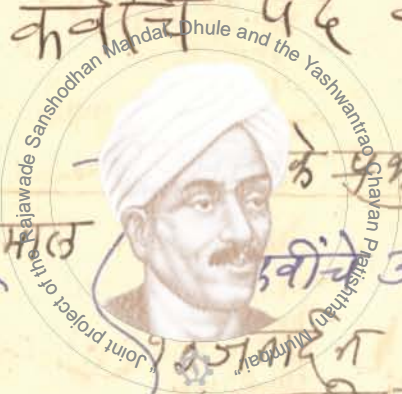
मराठी



1/2

काव्य

नारायण कवींचे पद यांत आहे



के. कृ. शिरीधर नागर

कवींचे अभंग याबाबत आहेत.

११ तुकशीदास

- १ नामदेव
- २ मध्वनाथ
- ३ तुकाराम
- ४ गोपाळ
- ५ नारायण

- ६ कबीर, कमल
- ७ मिराबाई
- ८ केशव
- ९ मानपुरी
- १० आनंदतरु
- ११ रामदास

॥ श्री कृष्णाय नमः ॥ श्री कृष्णाय नमः ॥ श्री कृष्णाय नमः ॥

॥ श्री कृष्णाय नमः ॥ श्री कृष्णाय नमः ॥ श्री कृष्णाय नमः ॥



Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

(२७)

महर्षेः ॥

भमाराव्याजप्रतीपदनायकानिगकेलाआसप
गठअनावरणककानेभावेळजावरियाहरनीआ
गरलमानीगसाधकद्रकार्यबहुधामनीसत्यमानी



(3)

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

॥ आथ अलक द्वाप्रारभः ॥ विघ्नराजवि

॥ धि जोपदस गुरुत्वे ॥ वंदिन त्यागी गमनि

॥ सरुसानस्त्वे ॥ नानावतारधरिये का आ

॥ नेक ज्योती ॥ मि सर्वदशरणि दिन हो तथा

॥ श्री गणेश ॥ जा ब्रह्मरूप आवतारधरि हरि

॥ तो ॥ नानास्वरूप स्वजन शोचक उधरि

॥ श्री ॥ तो ॥ शुभाचार्या तिलभाठवालो ॥

॥ नंदोत्कृष्ट ग ॥ ठवालो ॥ १॥ ॥ वृज

॥ सुतासुत ग ॥ तानि सुखीत्रा

॥ धरि सुकता ॥ गोपबधुरसधेत

॥ स ॥ वपुतामन नरनि नतस ॥ २ ॥

॥ वयवस्वषा वियावाळ कावी ॥ कशिकि

॥ ति ति का जगत पाळ कावी ॥ सर्वसौगठे

॥ ते वरसांक विलो ॥ सशमाधवगोरसेवा

॥ स्वविलो ॥ जसाकले गायिग प्रिशा

॥ रसावि ॥ त आयिती पाळती गारसा नी

॥ गलि आसे गो कथिते जकाळी ॥ लो गो

॥ पाऊतया स्थकी ली ॥ ३ ॥



Rawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai. Digitized by eGangotri

॥ संपूठभिग्योरयहाजियेवा ॥ तीया
 ॥ चरायसुत्रनेदजीना ॥ लो गनि गेह
 ॥ कयाइकेल ॥ जावितेनसर्वभियाह
 ॥ रिता ॥ द्या पाठपुठउक्त्वतयाभक्षता ॥
 ॥ सिक्खावरिषात्रदिसेषयाकोअरभी
 ॥ लसाधनक्षतयात्र ॥ गदुरतत्यातन
 ॥ गसुवकीना ॥ वेठविरिगाठेरिविता ॥
 ॥ प्राडिबंरिया ॥ साता ॥ त्याच्या
 ॥ गलाअपुय ॥ दा ॥ पात्रायया
 ॥ व्यासगमाकरि ॥ नीया छिदृतया
 ॥ हरिना ॥ विगद ॥ वेत्याधरनीभाजा
 ॥ छेदिलअवरतवगना ॥ धामगकरव
 ॥ दिनसिससश्वदा ॥ ककराजिककवळि
 ॥ तपयधाराअजंजिनवरुनि ॥ डकम
 ॥ ककरिदिीककपतेयेसिराळा ॥ जाव
 ॥ घडुघुडलसाधनमाधवाळी ॥ वा
 ॥ साश्रीहरितापयातेपिता ॥ तमीस
 ॥ वगडत्यासहीवापीताह ॥ तशामा
 ॥ जितमदिरायगापुज्यया ॥



Digitized by the eGangotri Sansthan, Mendar, Duple and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

॥ राधिलतीणमार्गहिरवायाहाया ॥ १० ॥

॥ तदामाधवजांतरिआठवीले ॥ मूसेहृद्य

॥ हतवरताठवीले ॥ मुकदातगापिधरा

॥ युनिद्यालि ॥ तीच्यालाचिनिहृद्यफुको

॥ निध्यालि ॥ ११ ॥ गापागनात्रयुशि

॥ करानागतव्यकलमुरलिधरनावेसा

॥ ठकीजव्रजागबसि ॥ रक्षस्त्रयजव्रत्र

॥ आमशानि ॥ १२ ॥ गपरागयतसगुजना

॥ सि ॥ वाकि ॥ मेलव नारिा

॥ काळकी ॥ शेतस्नि ॥ गल

॥ गलाचावठ ॥ नि ॥ काका

॥ स्वआंवा ॥ गवि ॥ साविवा

॥ लिचारवाह्यतंसाचि ॥ नास्त्रिकाभा

॥ नसासमस्त्रियाला ॥ माज्ञनेत्रिवा

॥ तलेहायवाला ॥ १३ ॥ व्रजवधूमगत

॥ थपातलियासमस्त्रिआगइव



Dr. Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the team of Chawan Prashant Mumbai. "Jagadguror"

॥ वयं तस्मिन् धृवर्षे वैदस्मिन्मावयावी ॥
 ॥ ठकवीतपरिथोराअसिह्मावया
 ॥ वि॥ ॥ १५ ॥ जैसिमुळेआगिकसरुसा
 ॥ नमाना ॥ तसावदुहिसरुसानमा
 ॥ ना ॥ केलाभगवाआयमानसावा ॥
 ॥ आहेबहुहाकरठामनावा ॥ १६ ॥ हा
 ॥ थाकूठपरिवसनरुगाई ॥ पाहे
 ॥ लज्जिकरुसिनेरुवचुगाई ॥
 ॥ जावेपयानेव्यथका ॥
 ॥ म्यागवेसा ॥ जवरातउभ्या
 ॥ रिकाभ्या ॥ कृसिगल्याव
 ॥ रिपुतनारि ॥ मेजेनेतेथेआ
 ॥ गणितनारि ॥ परस्यरेकोळती
 ॥ वाक्यहरि ॥ स्मरेयथाकृष्ण
 ॥ भवापहरि ॥ १७ ॥ आसिकोतु
 ॥ केरोषराइकरितो ॥ करितीक
 ॥ मथनेआवीद्याहरितो ॥ कथेय्या
 ॥ रसेरुध्यकेलेमनाल्म ॥ केले



The Chavan Prasthna
 project
 www.chavanprasthna.org

॥ मज्जिमासिखेले ⁽⁷⁾ नाम
॥ नीला ॥



[Faded handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.]

॥ आथशं कृतकास्यान प्रारभ ॥ श्री
 ॥ मतययाती नक्षत्रमपूरु कुळिभुय
 ॥ जन्मलेशतरागाश्रवणेतकी
 ॥ तिरिती ॥ तापसुधेया नक्ष्या
 ॥ नलेशतरागा ॥ शाखापौरवातजाळा ॥
 ॥ राजादुषतधर्मपरमहित ॥ स्वमुणक
 ॥ रिप्रजाचे ॥ आनन्दितो मुतीधर्मपर
 ॥ मरुतगवाला ॥ कयानाल ॥ जायक
 ॥ रायायि ॥ वलकाळरुळ
 ॥ परिसु ॥ व्यसने लभति
 ॥ मगये ॥ नेव्याद्रवकस्वळ
 ॥ स्वायश्चरिले प्रमत्तगजराणि विरिले
 ॥ किरिलेशरध्रती ॥ मगयुधि नुरविलेव
 ॥ गजराणि ॥ येकाहारिणि मागेयेका
 ॥ कीभुयधावलश्रमला ॥ जातादुरश्रीम
 ॥ त ॥ कष्वात्र मरम्यपारुतारम
 ॥ ॥ ॥ तेसत्यलोकतुल्यवि ॥ आश्रम
 ॥ परज्यात आन्वघ्नसावा ॥ तेथिलताप

॥सिकरो॥^(१)रुषि क्षणतित्यातकष्वच

॥निसाचा॥

आधा

॥चितापासनीजाळा॥वीषयारतराळ्म

॥धूमसुरतरेवा॥त्याभीहरितेशिधळे॥वी

॥धीपुत्रेदिव्यपुष्यसुरतरेवा॥॥तेकसु

॥मरुकुमीवती॥जातनिधिधळेजगनी

॥वासना॥सासतरेवा॥इमदमिके

॥ज्याचीपास॥इदितेनीयतप

॥दधुळीइद्रिदि॥तीतयासमनी॥

॥दोभेजेवा॥शुभिववभाषव

॥गिनःश्रवाणा॥शोकोतेकुनीदात्यानी

॥यावक्वदनीउसरताकपय॥कीप

॥डितसद्धीया॥कथीताखळोमनी

॥जळेआपया॥अनीदियकपठिनाठ

॥क॥मोवळहरिगाकूजतजोवसळा॥

॥ठाकूनीगजरथवाजी॥सर्वदियेष्टी



Digitized by eGangotri, Sahyadri Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

॥ वरिच जो बसला ॥ १५ ॥ कोठि वसुदेवा
 गंवाचा ॥ आंगं जल्लयती कीती कनंदा
 गंवा ॥ गवचमुळी बापावा ॥ नकळेया
 ॥ वा आभी प्राय साचा ॥ ६ ॥ खेडे गो
 ॥ वळसगे ॥ शरुप विहगो पको मी नीभो
 ॥ गी ॥ स्तविती पती तजोगी ॥ राग मळ भोगिनी
 ॥ जावया भोगी ॥ ७ ॥ तैसे तरि गूण यावे ॥ कीति
 ॥ मिसा गूतुझ मिसा रखा हो ॥ फुळ देउनी रूखी
 ॥ तो ॥ जाळा तो तरि ॥ पखेया हो ॥ ८ ॥ देसो
 ॥ जो मज त्या गुनि ॥ सम स्थि सवती सी ॥
 ॥ कारुण्य नाहि म ॥ पितुं स जो बहू नसव
 ॥ तीसो ॥ १० ॥ लंपट ॥ सीमंत सामजी सीक
 ॥ रस्वीदा वाग ॥ ११ ॥ तरि मी शो वतु झिया
 ॥ सीकधी नरवोगी ॥ १२ ॥ गेली राग मनाचा ॥
 ॥ जाळा जानेंद्र सत्य भामेला ॥ परिवरि वरि
 ॥ साकासि ॥ स्वीते स्वर भाव श्री हरि ला ॥ १३ ॥
 ॥ जाझनी नेत्र कया ठो ॥ उघडनी ओझा कळ
 ॥ सूखेंद्रि शि ॥ जाकळे कनकाम करि मी
 ॥ जळी घालनी पो आठि द्रि शि ॥ १४ ॥ श्री सु
 ॥ खवद्र उतेर ल ॥ सुकळ जाधरो श्रु घं म
 ॥ बहू आला ॥ कवरि भांखी सरला ॥ श्री
 ॥ हारी नेची जकरि वसा वरि ला ॥ १५ ॥



॥ सरस्वरसंशरवाह्वी ॥ नेत्रातुनीवेव
 ॥ काज्ज्वाचेजे ॥ जेनीजपितपठयो ॥
 ॥ पुरिसिक्केरोकाब्धि ॥ व्याज्ज्वाचेजे ॥
 ॥ किशानगरिमधु ॥ तसानीब्धि ॥
 ॥ यतस्तुजासाहो ॥ त्यामधेतुशी
 ॥ या ॥ सदमोमाजीवतावसावाहो ॥
 ॥ तैसिकठिबआवस्था ॥ आवल्लो ॥
 ॥ कुनित्यासमस्तसह्यारि ॥ ह्मथवीषी
 ॥ ल्कावीरो ॥ लक्क ॥ गाववापसह
 ॥ थ्यारि ॥ ध ॥ थअसाग
 ॥ गल्लुक्कके ॥ काकफि ॥
 ॥ संकेततसा ॥ तैप्रतापुहमि
 ॥ ताहि ॥ जंक्क ॥ गगेजानथ ॥ प्र
 ॥ मदेयाकारवेआहाहागे ॥ सांगावे
 ॥ तरिकीतिआता ॥ चतुरेतुजकाप
 ॥ सेआहाहागे ॥ तरिआताजा
 ॥ जपासूमीतुमवाओमवाखरा ॥ भाषी
 ॥ लाहो ॥ जीसीफुल्लआपवकेके ॥
 ॥ जाउनीहरजीतीसीवधोलाहो ॥
 ॥ आमीनवनवकृत्माव्या ॥ मध्या
 ॥ गुंफिसिरीकरिगजरो ॥ त्रैसकीनूतन



Digitized by eGangotri
 Sanshodhan Mandal, Prithvi and the Yashwantrao Chavan Pratishthan
 "Jagadgururajawade"

॥ वसने ॥ लेखी हरि नवी भूषणे स्वकरे ॥
 ॥ नकळे कोठा क्रोधे ॥ आज आ मवी प्रा
 ॥ षव लुभा रूखी ॥ नीजली भूमि वरती ॥
 ॥ अगम दूरेषा कयाळवी पूसली ॥ २ ॥
 ॥ भाभा वल्लस समाप्त ॥ ७ ॥ ७ ॥

॥ श्रु गारा ॥

॥ ती घी सख्य मिळुनी या नदियात

॥ ठाकी ॥ सखा गवा डकीरती मग ये

॥ कमेकी ॥ विजाग वेगसु जको मये

॥ गे ॥ तज्ञ वतूर प्रसंगे ॥ ॥

मही ॥ मेस्थं रजि लिला सागरि ॥

॥ यवि विनक सिद्ध विजो प्रा

॥ शिक्षण नीता गत्या न उद्वधाग

॥ रित्या सवेनी मितो ॥ त्याचे वाहन पाप

॥ रो समजगे मन्माथ च्यातू यता ॥ २ ॥

॥ मेघा पासुनी च्यास्ते पराव जीवसे रसि

॥ जगत प्राणगे ॥ त्यापासीव नीरंतरवं

पुत्र ॥ से ॥ तन्मित्रतो कोणगे ॥ त्याचा पूर्वीत्र

॥ पातक न्याया नीती दंडिता ॥ त्याचे वा

॥ हून त्यापरि समजगे मन्माथ च्यातू

॥ रयता ॥ ३ ॥

गतादिरेसावांतारे

गजातिथीनीविधमैत्रीराजशेवाजग्निसोत्रग
गधनक्रषपराविद्या

गवळणग

॥ नकोनीपडअमच्यागार ॥ घरीमारी
॥ लअमचौअरअर ॥ नको ॥ १ ॥

॥ गाइतुमच्यावरीकामोद्याहो ॥ याए
॥ कीतीमोमारुका ॥ गकाधुगरवा
॥ तीघाव्या ॥ सीसोगकादि



॥ प्रको ॥ १ ॥ मुचाहासांयाती
॥ सवेमुनीवे ॥ तीग ॥ सनापरचे
॥ खेळखेळती ॥ वाकमुणमीपणुका

॥ दिगनको ॥ ३ ॥ हाइतुमचा मोटा
॥ धीठ ॥ फसीधरनीवसरोघाट ॥ फो
॥ डिहड्यादधाचैमाट ॥ यालासांगये

॥ शोदेकोदिगनको ॥ ४ ॥ असेखळ
॥ खेळतांगोकीगतेथेमाडकीचेडुफळी
॥ गोवधनालावीकरगुली ॥ कदीज

॥ नाइनाचेपारि ॥ नको ॥ १ ॥

आनुसंधान ॥ श्रोत्रयुग्मपरिपूतकरायासावधा
 ॥ नजन्मेजयराया ॥ जोरमशस्तेयजोहोती ॥
 ॥ गोष्यसपमतयाभवद्यतो ॥ ॥ प्रतीशो जेके
 ॥ लियेदकुबुवीरेयुध्यनकरि ॥ धरिनाशखा
 ॥ तेकरानेसमरिमीनीजकरि ॥ घडेनाहेमो
 ॥ थ्याजरितरीनमीभागवतरो ॥ प्रतीशोतेभी
 ॥ धेमनीआवतोलेयादठतरो ॥ शपद ॥
 ॥ होईनभीष्मजरिश्रीहरि ॥ धरिबिनचक्र
 ॥ करीश्रीहरि ॥ ध्यासायध्याद्वशस्त्र
 ॥ रहिततानि ॥ रिसीवरी ॥ सांप्र
 ॥ तहेकळयेइ ॥ सन्मुखरष
 ॥ समरी ॥ ॥ ॥ तन्मय्याचीन
 ॥ दिजे ॥ स्वयंवाध्य ॥ रन्मदिजे ॥ आ
 ॥ सेगर्वतोहिले ॥ नो ॥ नराचीआसा
 ॥ भावत्यावामनाया ॥ शान्यावेकलत्रकम
 ॥ लशभसारसाक्षी ॥ जोनावतासकळसौ
 ॥ श्रुतासारसाक्षी ॥ दाभीष्मभावकळकसदेव
 ॥ ज्याला ॥ जादियस्त्रनमीतीवसदेवज्याला ॥ ॥
 ॥ नृपारोकतेयुध्यदेवव्रतो ॥ गमेहेवीसाफुखतु
 ॥ लयव्रतावे ॥ रथीरेखिलेकळाकोतेयदेव ॥ ॥
 ॥ ठोभीष्मसाक्षी ॥ शरानेयेदेव ॥ ॥ भीष्माकडे
 ॥ रवभयात्रकहदभीवी ॥ होतावेदतनयजोके
 ॥ ददभीचा ॥ दुर्क्षी ॥ लो ॥ लो ॥ मतमजसव्यसा
 ॥ ची ॥ जातोरीवापशवलेमजसुयदाची ॥ ॥



Digitized by eGangotri
 The Yashwantrao Chavan Pratishthan
 Mumbai, India
 www.yashwantrao.org

॥ गवोकीका सुख सुगुणवेदे जगदेकराय ॥
 ॥ अगहे आसा कज वतो जगदाकराय ॥ म्या
 ॥ का कख जवधी ले आतु प्रतापि गयो ले
 ॥ मही वस सरगा सरवी प्रतापि ॥ पद ॥ कर्ज
 ॥ मह भर्मी कुस्कु जी धा ॥ सुवेरांत नू वा ॥ ज
 ॥ म्म लोरां भज ठरि ॥ तव पदि जन्मुने सिव
 ॥ मो जीव स ॥ त्या गंगे उदरी ॥ रा ॥ श्रमः ॥ पि
 ॥ ता मह वदे तदा प्रवळतू प्रथानं रना ॥ रं मेरा
 ॥ रथो सारथी वतु रवा गवो ॥ यदना ॥ स्वये ग
 ॥ तव ये सुभोग ॥ गा ॥ भी डेर वा धूर थ
 ॥ रा ॥ जय वडा ॥ म ॥ क वडा ॥ ध्व
 ॥ ज स्वं भि डरि ॥ करि धरि ॥ सारथी
 ॥ मुख्य हरि ॥ वे हि वी जई श्री हरि ॥
 ॥ त्या ते मी प्रहरि ॥ ॥ ॥ ग पारि क्षता म
 ॥ गरा रासन पोडाने ॥ वो ॥ ठो नी या हते वे ह
 ॥ आयिते खाडवाने ॥ तो भी कडे रचे लारा
 ॥ रताडवाने ॥ ज्या वे क्रिये सकळ ये भ्रम वांड
 ॥ ने ॥ ॥ ग गे यता पाचुळ्या तसारे ॥ ज्या मा
 ॥ नी ती हा वी कर्ता तसारे ॥ गजो नी या सी
 ॥ व्हरवे जयाते ॥ पाडे ज्ञ वी मारि लुका जी
 ॥ याते ॥ ॥ क वडा ॥ पार्थ हे व वडे वाळा



॥ वेनतोवा ॥ ॥ आर्जनशरत्सुगुनीया ॥
 ॥ नीतो जैसापुत्रशयुष्यसि ॥ पातेनल
 ॥ नीनेत्री ॥ फरीपाडेओकारायुष्यसि ॥ ५ ॥
 ॥ श्रुतैः युष्यवर्षनठलापुत्रसावा ॥ पार्थ
 ॥ सावधुनशयुष्यसावा ॥ देस्वीलेनवनीधा
 ॥ नतयावे ॥ पाहिलेवहनम्भनतयावे ॥ ३ ॥
 ॥ प्रतोदमगठेकीलाउतरलरथआधस्थकीग
 ॥ मवप्रवळभीषुहाजयपडकआधस्थकी ॥
 ॥ केरिकमयनेत्रेतीकाकेकृतश्रीकारि ॥
 ॥ प्रमोदयमनं ॥ गदरथीकारी ॥
 ॥ सवक्रते ॥ र ॥ यदयमस्रती ॥
 ॥ द्वाप्रतमधीकु ॥ तोरथस्थाध्रतरथ
 ॥ चरणोभयार ॥ इरिवहत्तुमीभग
 ॥ तोतरियः ॥ ११ ॥ धरकस्तीधावताकनकव
 ॥ लितेजावरी ॥ स्फुरठमकरकुडलेडीक
 ॥ कतीतीआसावरी ॥ रजःकठामूखांबूजी
 ॥ श्रीमीतघमिजाजयाहा ॥ आनूम्रहतेका
 ॥ वरिठनूपजलान्नपाकाडेपजलपाहा ॥ १६ ॥
 ॥ सवक्रते ॥ खेदव्यूयाजीतेगंगा ॥ मनेप्राह्हा
 ॥ रिश्रुतो ॥ मयुत्रतवेदोहितं ॥ जहिमाधवमा
 ॥ रुवे ॥ १७ ॥ तसायेवादेस्वरथीनीकठेनोशाम
 ॥ रिगनृपागामेवावेद्रदईभरकीप्रेमलहरी ॥
 ॥ १८ ॥



For more Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Rajawade
 Charan Sanshodhan Mandal, Dhule.

॥ रातेच्यापातेयजुनीवदलागद्दरवे ॥ जग
 ॥ नाथेकेलेमजसकेकेलोकातवरवे ॥ १० ॥ पद
 ॥ यद्वंशाभरणाहोयावे ॥ ११ ॥ सत्यज्ञानानंता
 ॥ पारो ॥ वीगतवीकारा ॥ जगदोहारा ॥ नीगमा
 ॥ ममस्वारा ॥ ॥ होयावे ॥ ॥ निगुविनीत्यनीरा
 ॥ मयरा ॥ आव्यतकामा ॥ सकश्रुडिधा
 ॥ म ॥ मनीजनवीश्रामा ॥ होयावे ॥ ११ ॥ वीश्रु
 ॥ वीलेसाश्रीजगदौरा ॥ पूरागपुस्त्रा ॥ नी
 ॥ जरंगावीवीनारा ॥ होयावे ॥ १३ ॥ जनादेना
 ॥ येच्युतमाधवारा ॥ मीमगलेयिकरमाधवा
 ॥ रे ॥ हेआश्रुत्रा ॥ का ॥ नाभनचेतूशीकी
 ॥ तीपूरेतना ॥ यावरि ॥ रिदूरया
 ॥ खडदेईमवी ॥ या ॥ तोडमस्तकेय
 ॥ डोवरणीया ॥ आजीवरणीया ॥ १२
 ॥ श्रीमाधवावाचनीआवदेवा ॥ वावेवदेमी
 ॥ तरिआवदेवा ॥ तूशीववारिवाइतरास्व
 ॥ रिरे ॥ मीथ्यानवेहेसोवेखरिरे ॥ १० ॥
 ॥ आंभग ॥ आपूळीयालाजाधावेमकावि
 ॥ याकाजा ॥ ॥ नामंधारिलेदिनानाथसत्यक
 ॥ राव्यावुत ॥ ११ ॥ घातआवातनीभारि ॥ छाया
 ॥ पिताबरेकरि ॥ १३ ॥ उभाकरकवी ॥ तूकाह्रमपे
 ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥



Produced by Jyoti Prakashan, Jalgaon
 Digitized by eGangotri
 Pralavade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai



मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००१ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com